

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 5007**

**26 मार्च, 2018 को उत्तर के लिए**

**इस्पात संयंत्रों द्वारा कोयला गैस का उपयोग**

**5007. डॉ. पी. वेणुगोपाल:**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार इस्पात संयंत्रों को और अधिक लाभदायक बनाने के लिए मेथनॉल उत्पादन और कोयला गैसीकरण प्रक्रिया का तकनीकी आकलन कर रही है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार ने मोजाम्बिक और भारत में कोयले से मेथनॉल उत्पादित करने, कोयला गैस इस्पात संयंत्रों में प्राकृतिक गैस को कोयला गैस से प्रतिस्थापित करने और मेथनॉल उत्पादित करने हेतु कार्बनडाइऑक्साइड कैप्चर करने की प्रक्रिया की व्यवहार्यता जांचने के लिए कोई कार्यबल स्थापित किया है; और
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**इस्पात राज्य मंत्री**

**(श्री विष्णु देव साय)**

(क): जी हाँ।

(ख): सचिवों की समिति में लिए गए निर्णय के अनुसरण में भारत में मेथनॉल इकोनॉमी की पहल को आगे बढ़ाने के लिए डॉ. वी.के. सारस्वत, सदस्य, नीति आयोग की अध्यक्षता में एक शीर्षस्थ समिति का गठन किया गया। इस समिति के अंतर्गत नीति आयोग ने राख की उच्च मात्रा वाले कोयले के उपयोग से मेथनॉल उत्पादन पर एक टास्क फोर्स का भी गठन किया है। इस टास्क फोर्स के लिए शासनादेश राख की उच्च मात्रा वाले कोयले के उपयोग से मेथनॉल का उत्पादन करने की व्यवहार्यता से संबंधित सभी पहलुओं की जाँच करना तथा साथ ही देश और विदेश में मेथनॉल के उत्पादन के लिए डेमो प्लांट की स्थापना हेतु प्रौद्योगिकी आर्थिक मूल्यांकन करना है।

(ग) और (घ): भारत सरकार ने (1) मोजांबिक और भारत में कोयला से मेथनॉल के उत्पादन की व्यवहार्यता, (2) इस्पात संयंत्रों में कोयला गैसीकरण द्वारा प्राकृतिक गैस का प्रतिस्थापना, (3) इस्पात संयंत्रों से उत्पन्न होने वाले कार्बनडाइऑक्साइड को मेथनॉल तरल ईंधन में बदलना इत्यादि का पता लगाने के लिए निम्नलिखित विचारार्थ विषयों के साथ दिनांक 28.12.2017 को एक टास्क फोर्स का भी गठन किया है:

- क) मेथनॉल उत्पादित करने के लिए कोयला खानों की खोज करने हेतु व्यवहार्यता अध्ययन।
- ख) इस्पात उत्पादन में प्राकृतिक गैस के स्थान पर कोयला गैस के उपयोग की व्यवहार्यता का पता लगाना।
- ग) भारत में मेथनॉल के परिवहन और उसे ओलेफिस, पैराफिस और अन्य केमिकल्स में बदलने के लिए व्यवहार्यता संबंधी जाँच करना।
- घ) इस्पात संयंत्रों में कार्बनडाइऑक्साइड पृथक करके उसे मेथनॉल तरल ईंधन में बदलना।
- ङ) अन्य कोई संबंधित मामले जिसे टास्क फोर्स द्वारा आवश्यक समझा गया हो।
- च) इस टास्क फोर्स द्वारा मेथनॉल के उपयोग से संबंधित एक विस्तृत विश्लेषण भी किया जाना है।
- छ) भारतीय प्रौद्योगिकी क्षमता के तहत कार्बनडाइऑक्साइड से मेथनॉल बनाने की प्रौद्योगिकी की जाँच की जानी चाहिए।
- ज) इस्पात क्षेत्र में प्राकृतिक गैस के स्थान पर कोयला गैस का उपयोग करने और कार्बनडाइऑक्साइड पृथक्कीकरण के माध्यम से मेथनॉल बनाने के कुल लाभों की मात्रा का पता लगाना।

\*\*\*\*\*